राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय की अध्यक्ष अपर्णा बसु का 87 की उम्र में निधन

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय की अध्यक्ष अपर्णा बसु का बीमारी के कारण निधन हो गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह 87 वर्ष की थीं।

अधिकारियों ने बताया कि 2013 से संग्रहालय की अध्यक्ष बसु की हालत एक सप्ताह से ठीक नहीं थी और वह छाती में संक्रमण तथा उच्च रक्तचाप के चलते अस्पताल में भर्ती थीं। संग्रहालय के निदेशक ए. अन्नामलई ने बताया कि उनका सोमवार को अस्पताल में निधन हो गया। एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि उनका अंतिम संस्कार लोधी रोड लोधी रोड विद्युत शवदाह गृह में छह दिसंबर को किया जाएगा। बसु अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की न्यासी एवं संरक्षक भी थीं तथा अहमदाबाद में साराभाई फाउंडेशन की न्यासी भी थीं। उन्होंने ब्रिटेन में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक किया था और उसी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट भी किया था। वह दिल्ली विश्वविद्यालय में आधुनिक भारतीय इतिहास की प्रोफेसर भी रह चुकी थीं।

टीआरएस का मुस्लिम आरक्षण बढ़ाने के कदम का मकसद मतदाताओं को लुभाना : नकवी

हैदराबाद, 05 दिसम्बर (ए)। केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि तेलंगाना में मुस्लिमों को 12 प्रतिशत आरक्षण देने के राज्य सरकार के फैसले की कोई संवैधानिक वैधता नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कदम का मकसद चुनावी फायदे के लिए मतदाताओं को लुभाना था।

चुनाव प्रचार में जुटे नकवी ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) पर निशाना साधते हुए कहा कि यह जानते हुए कि धर्म आधारित आरक्षण देना संभव नहीं है, कुछ पार्टियों का इस तरह के फैसले के साथ सामने आना केवल मतदाताओं को लुभाने के लिए है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने कहा, हर कोई यहां तक कि केसीआर (मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव इसी नाम से लोकप्रिय हैं) और कांग्रेस पार्टी भी जानती है कि धर्म के आधार पर किसी तरह का आरक्षण देना संभव नहीं है। नकवी ने कहा, पहली बात यह है कि संविधान इस तरह के आरक्षणों की अनुमति नहीं देता। इस संबंध में टीआरएस प्रमुख और कार्यवाहक मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के वायदे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, लोगों को ऐसी बातों को लेकर जागरुक रहने की जरूरत है। गौरतलब है कि तेलंगाना विधानसभा ने मुस्लिम समुदाय के पिछड़े वर्गों के लिए नौकरियों एवं शिक्षा में आरक्षण को चार प्रतिशत से बढ़ा कर 12 प्रतिशत करने के संबंध में एक विधेयक पारित किया था। इस विधेयक को केंद्र की मंजूरी मिलना अभी बाकी है।

तेलंगाना को लेकर राम माधव का दावा, कहा- बीजेपी के बिना नहीं बन सकती सरकार

हैदराबाद, 05 दिसम्बर (ए)। तेलंगाना में सात दिसंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले, भाजपा नेता वी राम माधव ने मंगलवार को कहा कि राज्य में उनकी पार्टी के बिना अगली सरकार नहीं बनेगी। भाजपा का दृष्टिपत्र जारी करने के दौरान माधव ने कहा, 'हम चुनाव जीतने के लिए लड़ रहे हैं। मैं आपसे

एक चीज स्पष्ट कह सकता हूं। भाजपा के बिना तेलंगाना में अगली सरकार नहीं बनेगी।' भाजपा के दृष्टिपत्र का शीर्षक ' नए भारत के लिए हैदराबाद' है। माधव ने विश्वास जताया कि भाजपा केंद्र की सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा, 'भाजपा भारत का वर्तमान है। हम भारत के भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। जब हम भविष्य के शहर हैदराबाद के लिए दृष्टि की बात करते हैं तो हम नए हैदराबाद के निर्माण के संदर्भ में विचार करते हैं।' उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री की बड़ी दृष्टि का हिस्सा है, जो नए भारत के निर्माण की दृष्टि है। माधव ने कहा कि मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि वह 2022 तक नए भारत का निर्माण करेंगे। तब भारत अपना 75वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा होगा। उन्होंने कहा, 'धरती पर ऐसी कोई ताकत नहीं जो मोदी जैसे नेता को भ्रष्ट कर सके। भ्रष्टाचार को शीर्ष से हटाने की जरूरत है।

करतारपुर पर अपने बयान से प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल पर सवाल उठाया : राहुल

नयी दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। देश के बंटवारे के समय ''कांग्रेस की गलतियों के कारण'' करतारपुर साहिब के पाकिस्तानी क्षेत्र में चले जाने संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को उन पर पलटवार किया और आरोप लगाया कि इस टिप्पणी के जरिए मोदी ने सरदार पटेल पर सवाल उठाया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी खुद को ऊपर दिखाने के लिए महात्मा गांधी और सरदार पटेल सहित सभी महान हस्तियों को नीचे दिखा सकते हैं। गांधी ने फेसबुक पोस्ट में कहा, ''अब प्रधानमंत्री मोदी सरदार पटेल पर सवाल उठा रहे हैं कि उस समय के नेताओं की सूझ बूझ की कमी के कारण करतारपुर पाकिस्तान चला गया। जो मोदीजी के मन में है वह आखिर में उनकी जुबां पर आ ही गया कि वह खुद को ऊपर साबित करने के लिए पटेल,गांधी सहित सबको नीचे दिखा सकते हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ फूटा गुस्सा, हजारों की संख्या में लोग उतरे सड़क पर

गिलिगित, 05 दिसम्बर (ए)। गिलिगित बाल्टिस्तान के हुंजा इलाके में बुधवार को भारी संख्या में लोगों ने मूलभूत और संवैधानिक अधिकारों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे और सरकार के खिलाफ रैली निकाली। बता दें कि भारत और पाकिस्तान के बीच विवादित मुद्दों में से गिलगित बाल्टिस्तान का भी मुद्दा है। भारत और पाकिस्तान दोनों इसे अपना-अपना हिस्सा बताते हैं। यहां लोग लगातार पाक के खिलाफ प्रदर्शन करते रहते हैं।

नोट उगल रहे चांदनी चौक के गुप्त लॉकर, एक महीने से मशीन लगा गिने जा रहे रुपये

नई दिल्ली, 05 दिसम्बर (ए)। पुरानी दिल्ली का भीड़भाड़ वाला चांदनी चौक बाजार, न केवल थोक मार्केट के तौर पर जाना जाता है बल्कि देश और दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों में भी शामिल है। मिर्जा गालिब की इन तंग गलियों में इतिहास के कई झरोखे हैं। हालांकि ये गलियां पिछले कुछ दिनों से अपने नोट उगलने वाले गुप्त लॉकरों के लिए चर्चा में है। पिछले करीब एक माह से आयकर विभाग की टीम दिन-रात इन लॉकरों को खंगाल रही है। एक माह से यहां मशीन लगाकर नोटों की गिनती लगातार जारी है। इन लॉकरों से अब तक 30.4 करोड़ रुपये से ज्यादा की नकदी बरामद हो चुकी है। ये सिलसिला अब भी जारी है।

आयकर विभाग की टीम को दिवाली के आसपास चांदनी चौक के खारी बावली में बेसमेंट में चल रहे संदिग्ध गुप्त लॉकरों की सूचना मिली थी। आयकर की टीम को छापेमारी में यहां साबुन और मेवे की दुकान के बेसमेंट में करीब 300 गुप्त लॉकर मिले, जिनमें से अब तक 170 को सील किया जा चुका है। इन लॉकरों से अब तक आयकर को 30.4 करोड़ रुपये से ज्यादा की नए नोटों की नकदी मिल चुकी है। इसके बाद से यहां चल रहे लॉकर सवालों के घेरे में हैं। आशंका जताई जा रही है कि ये गुप्त लॉकर अवैध हवाला कारोबार से जुड़े हो सकते हैं। मालूम हो कि चांदनी चौक को देश में हवाला कारोबार के मुख्य गढ़ के तौर पर भी जाना जाता है।

आयकर की अब तक की जांच में सामने आया है कि गुप्त लॉकरों से मिली करोड़ों रुपये की नकदी स्थानीय व्यापारियों की है। आयकर की टीम अब लॉकर मालिकों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। उधर लॉकर को लेकर हो रही छापेमारी के बाद से चांदनी चौक बाजार में हड़कंप मचा हुआ है। व्यापारियों ने आयकर की छापेमारी का विरोध करना भी शुरू कर दिया है। व्यापारी का दावा है कि वह लॉकरों से बरामद होने वाली नकदी की पूरी जानकारी विभाग को देने को तैयार है, बशर्ते उन्हें परेशान न किया जाए।

25 साल से चल रहे लॉकर : चांदनी चौक के व्यापारियों की मानें तो खारी बावली के बेसमेंट में तकरीबन 25 साल से ये गुप्त लॉकर चल रहे हैं। इनकी शुरूआत दो भाइयों के कारोबारी बंटवारे के बाद हुई थी। इनमें से एक भाई ने पुराना कारोबार ले लिया तो दूसरे भाई

अशोक गुप्ता ने बेसमेंट में लॉकर बना उन्हें किराए पर देने का कारोबार शुरू किया। इसके लिए बकायदा सरकार से लाइसेंस भी लिया गया है। कुछ समय में ही लॉकरों के कारोबार ने ऐसी रफ्तार पकड़ी कि इन 300 लॉकरों में से एक भी कभी खाली नहीं रहता। बहुत से लोग लॉकर लेने के लिए काफी समय से प्रतिक्षा सूची में हैं। बताया जाता है कि इन लॉकरों में स्थानीय कारोबारियों का पैसा रखा रहता है। वह रात में कारोबार करने के बाद लूट या चोरी से बचने के लिए इन लॉकर में रुपये रखते हैं। इन लॉकरों की सुरक्षा के लिए यहां सीसीटीवी कैमरे से लेकर निजी गार्ड तक की पूरी व्यवस्था है। इसलिए कारोबारियों को भी इन लॉकरों पर पूरा भरोसा है। हालांकि अब इस लॉकर सिस्टम पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

विरोध में उतरे कारोबारी : चांदनी चौक के लॉकरों पर छापेमारी के बाद यहां के कारोबारी विरोध में उतर आए हैं। कारोबारियों का कहना है कि लॉकर सिस्टम खत्म होने से उन्हें नुकसान झेलना पड़ सकता है। उनके साथ लूट व चोरी की घटनाएं बढ़ जाएंगी। इससे उनकी सुरक्षा को लेकर भी खतरा पैदा होगा। कारोबारी नेता विजय गुप्ता ने भी विरोध जताते हुए कहा कि तकरीबन एक माह से लॉकरों की जांच चलने की वजह से कारोबारी वहां रुपये नहीं रख पा रहे हैं। उन्हें मजबूरन अपने दुकानों में रुपये रखने पड़ रहे हैं। ऐसे में मार्केट में चोरी की घटनाएं बढ़ गई हैं। एक माह में कई दुकानों के ताले तोड़कर चोरी हो चुकी है। साथ ही रात में व्यापारियों से कैश लूट की घटनाएं भी बढ़ी हैं।

कई रातों से डटे हैं आयकर अधिकारी : गुप्त लॉकरों की जांच के लिए आयकर विभाग की टीम नोट गिनने की मशीन लेकर वहां कई रातों से डटी हुई हैं। आयकर विभाग की पूरी टीम लॉकरों के लिए बने बेसमेंट में ही पूरे समय रहती है। टीम के सदस्य यहीं खाना खाते हैं और यहीं सोते हैं। इस दौरान उन्हें बाहर के किसी भी व्यक्ति से संपर्क करने की अनुमति नहीं है। बताया जा रहा है कि गुप्त लॉकरों से बरामद नोटो की गिनती अब भी जारी है। बताया जा रहा है कि हवाला कारोबार और ब्लैकमनी की सूचना पर आयकर विभाग की टीम ने एक साथ दिल्ली के आठ ठिकानों पर इस तरह की छापेमारी की थी। हालांकि आयकर विभाग की तरफ से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है।

दुबई के हवाला कारोबारी से कनेक्शन!

आयकर विभाग को आशंका है कि लॉकर में रखी नकदी ब्लैकमनी है और ये बड़े हवाला रैकेट का अहम अड्डा है। लॉकर के मालिक भी बड़े हवाला कारोबारी हो सकते हैं। आयकर विभाग के अनुसार ये लॉकर एनसीआर के तंबाकू, केमिकल और मेवों आदि के कारोबार से जुड़े हाई प्रोफाइल लोगों के हैं। आयकर को आशंका है कि इन लॉकरों के तार दुबई में मौजूद हवाला कारोबारी पंकज कपूर से जुड़े हो सकते हैं।

पहले भी गुप्त लॉकरों पर हुई है कार्रवाई

चांदनी चौक बाजार में गुप्त लॉकरों पर की गई ये आयकर विभाग की कोई पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले सितंबर माह में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दुबई से ऑपरेट हो रहे 700 करोड़ रुपये के हवाला कारोबार के कनेक्शन में गुप्त लॉकर से 29 लाख रुपये नकद और दस्तावेज बरामद किए थे।

भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में एक और मुकदमा दर्ज

पुणे, 05 दिसम्बर (ए)। पुणे ग्रामीण पुलिस ने पहली जनवरी को भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में एक और रिपोर्ट दर्ज की है। एक महिला द्वारा हिंसा के दौरान घर, दुकान और फूड स्टॉल को बर्बाद कर दिए जाने की शिकायत करने पर पुलिस ने चार को नामजद करते हुए 25 लोगों के खिलाफ नया मामला दर्ज किया।

भीमा कोरेगांव निवासी मंगल कांबले ने सोमवार को शिकरापुर थाने में एक शिकायत दर्ज कराई। इसमें उन्होंने बताया है कि पहली जनवरी को दिन के करीब 11 बजे 15-20 मोटरसाइकिलों से लोग जय स्तंभ स्थित उनकी दुकान पर पहुंचे। आरोपितों ने सबको दुकान से बाहर करते हुए उसे आग के हवाले कर दिया। समूह में शामिल एक व्यक्ति ने मंगल को छड़ी से भी पीटा। हिंसा में शामिल लोगों की धमकी के बाद उन्हें परिवार के साथ पुणे के हडपसर भागना पड़ा। अगले दिन करीब दो बजे पड़ोसी ने फोन करके मंगल को उनके घर, दुकान और स्टॉल के जलकर बर्बाद होने की सूचना दी। घटना के लगभग 11 महीने बाद रिपोर्ट दर्ज कराने के मामले में मंगल ने कहा कि उस दिन पुलिस ने पंचनामा किया था, लेकिन वह नुकसान का ब्योरा नहीं दे पाई थीं। अब जब उन्हें पता चला कि हिंसा पीड़ितों को सरकार मुआवजा दे रही है तो उन्होंने रिपोर्ट दर्ज कराने का फैसला किया। इस मामले में भीमा कोरेगांव निवासी संग्राम ढेरंगे, प्रकाश काशिद व मुकुंद गावहने तथा दिगराजवाड़ी निवासी विशाल गावहने को नामजद करते हुए 25 लोगों के खिलाफ एससीएसटी एक्ट समेत अन्य गंभीर आपराधिक धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

युद्ध के 200 साल पूरे होने पर आयोजित समारोह में हुई थी हिंसा

पुणे-अहमदनगर रोड पर जय स्तंभ 1818 में पेशवा और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुए भीमा कोरेगांव युद्ध की याद में बनाया गया था। युद्ध के 200 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में दलित समुदाय के लोग पहली जनवरी को समारोह का आयोजन कर रहे थे, तभी हिंसा हुई।

पुलिस में भर्ती होना चाहता था बुलंदशहर हिंसा का शिकार हुआ सुमित

बुलंदशहर, 05 दिसम्बर (ए)। भविष्य में पुलिसकर्मी बनने का सपना देख रहा सुमित 20 दिन पहले ही खेतीबाड़ी में अपने पिता की मदद करने के लिए यहां आया था लेकिन शहर में भीड़ द्वारा की गई हिंसा में वह फंस गया और उसकी जान चली गई। सुमित के रिश्ते के एक भाई ने यह बात कही। 20 वर्षीय सुमित पुलिस बनने की राह पर अग्रसर था और वह इसके लिए घर से दूर एक कोचिंग क्लास भी करता था और प्रशिक्षण भी ले रहा था। गौरतलब है कि सोमवार को बुलंदशहर के स्याना में गोकशी की अफवाह के बाद फैली हिंसा के दौरान गोली लगने से सुमित की मौत हो गई थी। इसके अलावा एक पुलिस निरीक्षक सुबोध कुमार की भी मौत हो गई थी।

मंगलवार को दोपहर में सुमित के अंतिम संस्कार से पहले उसके शव को पकड़कर रोती उसकी मां कह रही थी, 'वह पुलिस अधिकारी बनता। सुमित के 23 वर्षीय भाई अनुज कुमार ने बताया कि 12वीं के बाद उसने बीकॉम की पढ़ाई शुरू की थी लेकिन एक साल बाद उसने इसे छोड़ दिया। इसके बाद वह बीए (प्राइवेट) करने लगा और बुलंदशहर में लाखोटी के एक कॉलेज से दो साल की पढ़ाई भी पूरी कर ली थी। कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'वह दिल्ली पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस में आवेदन करता था। वह पुलिस विभाग में भर्ती होने को लेकर आश्वस्त था और हर सुबह दौड़ने के लिए जाता था। उसने कुछ समय के लिए जिम भी जॉइन किया था।

सोमवार को हिंसा के दिन सुमित का एक दोस्त निकट के गांव बरौली से अपनी शादी का कार्ड देने आया था और जाते हुए उसने सुमित को बस स्टैंड तक छोड़ने के लिए कहा। यह बस स्टैंड चिंगरावती गांव के निकट मुख्य सड़क पर है। वह लोग जब चिंगरावती पुलिस चौकी के निकट थे तो वहां हिंसा भड़क उठी, यह स्थान पुलिस थाने के पास है लेकिन सुमित को इस हिंसा की भयावहता के बारे में पता नहीं था। अनुज ने कहा, 'यह दो घंटे तक चलता रहा और उसने सोचा कि यह खत्म हो जाएगा। छोटी लड़ाइयां प्राय- होती रहती है और लोग पुलिस चौकी के बाहर जुटते हैं लेकिन कुछ ऐसा हो जाएगा, इसकी कल्पना भी नहीं थी।

अमेरिका ने यूएन से ईरान के मिसाइल परीक्षण की आलोचना करने की अपील की

संयुक्त राष्ट्र, 05 दिसम्बर (ए)। अमेरिका ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण करने के लिए आलोचना करने की अपील की। अमेरिका ने ईरान के इस कदम को खतरनाक बताते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव का उल्लंघन करार दिया।

फ्रांस और ब्रिटेन के आग्रह पर बंद दरवाजे के भीतर परिषद की बैठक हुई जिसमें अमेरिका भी शामिल था। अमेरिका के साथ ही फ्रांस और ब्रिटेन ने भी ईरान पर मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण शनिवार को करने का आरोप लगाया है। फ्रांस और ब्रिटेन ने कहा कि ईरान का यह परीक्षण संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के मुताबिक अनुचित है। अमेरिका की राजदूत निक्की हेली ने एक बयान में कहा, '' ईरान का हालिया बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण बेहद खतरनाक और चिंताजनक है लेकिन चौंकाने वाला नहीं है।

पत्रकार खशोगी मामले में सांसदों को जानकारी देंगी सीआईए प्रमुख

वॉशिंगटन, 05 दिसम्बर (ए)। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के बारे में सीआईए के पास जो कुछ भी जानकारी उपलब्ध है उस बारे में एजेंसी की निदेशक जिना हॉस्पेल सीनेट के नेताओं को बताएंगी। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, वह मंगलवार को यह जानकारी देंगी। इससे पहले विदेश मंत्री माइक पोम्पियो और रक्षा मंत्री जिम मैटिस ने पिछले हफ्ते इस बारे में सीनेटरों से बातचीत की थी, हालांकि उसमें सीआईए शामिल नहीं हो सकी थी।

बताया जाता है कि जासूसी एजेंसी को लगभग विश्वास है कि सऊदी अरब के अली वहद मोहम्मद बिन सलमान ने ही खशोगी की हत्या का निर्देश दिया था। खशोगी की दो अक्टूबर को तुर्की के इस्तांबुल में स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हत्या कर दी गई थी। द जर्नल, द पोस्ट और द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के मुताबिक, सीआईए के पास यह सबूत है कि वली अहद ने अपने करीबी सहयोगी सऊद अल कहतानी के साथ 11 संदेशों का आदान प्रदान किया था। कहतानी ने ही कथित तौर पर इस पूरे घटनाक्रम पर निगरानी रखी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, हॉस्पेल सीआईए के निष्कर्षों के लीक होने से नाराज हैं।

7 साल के बच्चे रेयान ने यू-ट्यूब पर कमाए एक साल में 115 करोड़ रुपये

वॉशिंगटन, 05 दिसम्बर (ए)। खिलौनों से खेलना बच्चों का काम है लेकिन अमेरिका का एक ऐसा बच्चा भी है जो खिलौने के खेल से करोड़ों की कमाई कर रहा है। सात साल के रेयान के यूट्यूब चैनल को फोर्ब्स ने अपनी ताजा सूची में सर्वाधिक कमाई करने वाला यूट्यूब चैनल बताया है। 'रेयान ट्वॉयजरिव्यू' नाम के अपने चैनल पर खिलौनों का रिव्यू करते हुए इस नन्हे बाजीगर ने 2017-18 में 155 करोड़ रुपये (करीब 22 अरब डॉलर) कमाई की है। पिछले साल वॉशिंगटन पोस्ट को दिए एक इंटरव्यू में रेयान की मां ने बताया, 'यूट्यूब चैनल का ख्याल तब आया जब रेयान तीन साल का था। रेयान छोटी उम्र से ही खिलौनों के रिव्यू वाले टीवी चैनल्स देखा करता था। एक दिन रेयान ने कहा कि दूसरे बच्चों की तरह वह यूट्यूब पर क्यों नहीं है और यहीं से इस चैनल का ख्याल आया। रेयान की मां ने कहा, 'हम खिलौनों की एक दुकान पर गए, एक लीगो ट्रेन खरीदी और यहीं से चैनल की शुरुआत हुई।' फोर्ब्स की लिस्ट के मुताबिक, जून 2017 से जून 2018 के बीच रेयान ने 22 मिलियन डॉलर (करीब 155 करोड़ रुपए) की कमाई की। पिछले साल उन्होंने 11 मिलियन डॉलर की कमाई की थी। 2017 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले यूट्यूब चैनल की लिस्ट में रेयान का चैनल 8वें नंबर पर था। रेयान के यूट्यूब चैनल 'रेयान टॉयज रिव्यू' में कई अलग अलग श्रेणियां हैं, जिनमें खास तरह के खिलौनों का रिव्यू होता है। इनमें एनिमेशन, फन एंड साइंस, एजुकेशनल, एग सरप्राइज टॉयस आदि हैं। इसके अलावा इस चैनल पर पारिवारिक आयोजनों और छुट्टियों की यात्रा का भी विवरण होता है। रेयान की कमाई का जरिया सिर्फ यूट्यूब चैनल ही नहीं बल्कि उनके नाम से खिलौनों का खास संस्करण वॉलमार्ट पर भी उपलब्ध है। उनके इस खास संस्करण को यूट्यूब पर प्रमोशन भी मिलती है और बच्चों के बीच इन्हें खास पसंद भी किया जाता है।